भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 21 जुलाई, 2026
जारी करने का समय:1405 घंटे

विषय: (i) अगले 3-4 दिनों के दौरान मध्य और उससे सटे उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में मॉनसून के सक्रिय रहने की संभावना है।
(ii) 21 तारीख को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में; 21 और 22 तारीख को गुजरात क्षेत्र में; और 22 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।
(iii) अगले 7 दिनों के दौरान दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की गतिविधियां कम रहने की संभावना है।

आज, 21 जुलाई, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र, तेलंगाना और तटीय कर्नाटक में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ओडिशा, बिहार, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, विदर्भ, पूर्वी राजस्थान, असम और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- औसत समुद्र तल पर मॉनसून ट्रफ़ अपनी सामान्य स्थिति के पास है।
- निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर हरियाणा और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।
- निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।
- निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।
- मध्यम ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।
- पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन से उत्तर-पूर्वी अरब सागर तक, निचले और मध्यम ट्रोपोस्फेरिक स्तरों के बीच एक ट्रफ़ बनी हुई है।
- मध्यम ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर उत्तरी छत्तीसगढ़ और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 21 से 24 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; और 21 से 27 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।

- 21 से 23 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पंजाब में; 21 से 24 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 23 से 27 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 25 से 27 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 24 से 27 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पंजाब में; 25 से 27 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 21 से 27 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; और 21 से 22 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 21 से 27 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- 21 से 23 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- 21 से 27 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में; 21 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 24 से 27 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 21 और 23 जुलाई को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 21 जुलाई और 23 से 27 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश में; और 22 से 27 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। पंजाब में 23 और 27 जुलाई को; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 22-23 और 27 जुलाई को; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 22 और 27 जुलाई को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 22 और 26-27 जुलाई को; पश्चिमी राजस्थान में 21-25 जुलाई को; पूर्वी राजस्थान में 26-27 जुलाई को बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 22 जुलाई को हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 21 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 21-22 जुलाई को पंजाब में; और 21-25 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- 21 जुलाई को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और हिमाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

मध्य भारत:

- 21-26 जुलाई के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 21-27 जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में; और 21-25 जुलाई के दौरान विदर्भ में काफी ज़्यादा या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- 27 जुलाई को पश्चिमी मध्य प्रदेश में और 26-27 जुलाई के दौरान विदर्भ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 21-23 जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- 24-25 जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; 21-23 जुलाई के दौरान विदर्भ में; और 21-25 जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- 23-24 जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 22-24 जुलाई के दौरान विदर्भ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। छत्तीसगढ़ में 22-25 जुलाई के दौरान, साथ ही पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 21-22 जुलाई के दौरान; और छत्तीसगढ़ व विदर्भ में 21 जुलाई को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 21 जुलाई और 26-27 जुलाई के दौरान; बिहार में 21 जुलाई और 24-26 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 22-25 जुलाई के दौरान; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल व सिक्किम में 21-27 जुलाई के दौरान; बिहार में 22-23 जुलाई और 27 जुलाई को काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और बिहार में 21-27 जुलाई के दौरान; झारखंड और ओडिशा में 21-25 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंके 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 21-23 जुलाई के दौरान; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 21-25 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 21 जुलाई और 26-27 जुलाई के दौरान; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 21-24 जुलाई के दौरान; झारखंड में 21 जुलाई और 24-25 जुलाई के दौरान; बिहार में 22-24 जुलाई और 27 जुलाई को; ओडिशा में 22 जुलाई और 24-26 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही ओडिशा में 21 जुलाई को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।

पूर्वोत्तर भारत:

- अरुणाचल प्रदेश में 21-25 जुलाई के दौरान; असम और मेघालय में 23-24 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- अरुणाचल प्रदेश में 26-27 जुलाई के दौरान; असम और मेघालय में 21-22 जुलाई और 25-27 जुलाई के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 21-27 जुलाई के दौरान काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- अरुणाचल प्रदेश में 21 जुलाई को; असम और मेघालय में 21-25 जुलाई के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 21-24 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- अरुणाचल प्रदेश में 25-27 जुलाई के दौरान; असम और मेघालय में 21-27 जुलाई के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 21-24 जुलाई और 27 जुलाई को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- गुजरात क्षेत्र और कोंकण व गोवा में 21-27 जुलाई के दौरान; मध्य महाराष्ट्र में 21-23 जुलाई के दौरान; मराठवाड़ा में 21-22 जुलाई के दौरान काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- मध्य महाराष्ट्र में 24-27 जुलाई के दौरान; मराठवाड़ा में 23-27 जुलाई के दौरान; सौराष्ट्र और कच्छ में 21-27 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- गुजरात क्षेत्र में 21-23 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- कोंकण और गोवा में 23-25 जुलाई के दौरान; मध्य महाराष्ट्र में 22 जुलाई और 24-25 जुलाई के दौरान; गुजरात क्षेत्र में 21-22 जुलाई और 24 जुलाई को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। सौराष्ट्र और कच्छ में 21 जुलाई को और 25-27 जुलाई के दौरान; कोंकण और गोवा में 21-22 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की संभावना है; मध्य महाराष्ट्र में 21 जुलाई और 23 जुलाई को; गुजरात क्षेत्र में 23 जुलाई और 25-27 जुलाई के दौरान।
- गुजरात क्षेत्र में 21 और 22 जुलाई को कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 21-27 जुलाई के दौरान; केरल और माहे में 22-23 जुलाई के दौरान; लक्षद्वीप में 21-23 जुलाई के दौरान; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में 22-27 जुलाई के दौरान; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 22-25 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश की संभावना है।
- केरल और माहे में 21 जुलाई को और 24-27 जुलाई के दौरान; लक्षद्वीप में 24-27 जुलाई के दौरान; तटीय कर्नाटक में 21-27 जुलाई के दौरान; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में 21 जुलाई को; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 21 जुलाई को और 26-27 जुलाई के दौरान काफी ज़्यादा या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 21-25 जुलाई के दौरान; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और रायलसीमा में 21-22 जुलाई के दौरान; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 21 जुलाई को; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 21-23 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाओं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है; साथ ही तटीय कर्नाटक में 21 जुलाई को; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और रायलसीमा में 23-25 जुलाई के दौरान तेज़ हवाओं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है। दक्षिण अंदरूनी कर्नाटक में 22-25 जुलाई के दौरान; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 24-25 जुलाई के दौरान; तेलंगाना में 21-27 जुलाई के दौरान।
- 21 जुलाई को केरल और माहे में कहीं-कहीं गरज के साथ आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।
- 21 जुलाई को तटीय कर्नाटक, केरल और माहे, दक्षिण अंदरूनी कर्नाटक और तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है।
- 21 जुलाई को तटीय कर्नाटक में; 21-25 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तर अंदरूनी कर्नाटक, रायलसीमा और दक्षिण अंदरूनी कर्नाटक में; और 21-27 जुलाई के दौरान तेलंगाना में तेज़ सतही हवाएं चलने की संभावना है।

मछुआरों को चेतावनी:

- अरब सागर: 20 से 25 जुलाई के दौरान सोमालिया और ओमान के तटों के पास और उनसे दूर, पश्चिम-मध्य अरब सागर के ज़्यादातर हिस्सों और उससे सटे पूर्वी-मध्य, दक्षिण-पश्चिम और उत्तरी अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 20 जुलाई को दक्षिण गुजरात और उत्तरी महाराष्ट्र के तटों के पास और उनसे दूर; 21 से 24 जुलाई के दौरान गुजरात और उत्तरी महाराष्ट्र के तटों के पास और उनसे दूर।
- बंगाल की खाड़ी: 20 से 22 जुलाई के दौरान आंध्र प्रदेश के तट के पास और उससे दूर (पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों से सटे हुए) और 23 जुलाई को पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 20 से 25 जुलाई के दौरान मन्नार की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; और 20 जुलाई तथा 23 से 25 जुलाई के दौरान दक्षिण श्रीलंका के तटों पर (दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से सटे हुए)।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- गुजरात क्षेत्र: पारडी (जिला वलसाड) 21
- पूर्वी उत्तर प्रदेश: चुनार (मिर्जापुर)-19
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: अलगराह - 17
- गंगीय पश्चिम बंगाल: कलाईकुंडा - 17
- उत्तराखंड: कालसी-19, चकराता-17
- तटीय कर्नाटक: गेर्सोप्पा (जिला उत्तर कन्नड़) - 16
- हिमाचल प्रदेश: पालमपुर-14
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश: शाहजहापुर ऑब्सी (शाहजहाँपुर)-13
- तेलंगाना: कोटापल्ले (जिला मंचेरियल) 13, बेलमपल्ले (जिला मंचेरियल) 13
- कोंकण और गोवा: माथेरान (रायगढ़) - 13
- मध्य महाराष्ट्र: लोनावाला एग्री (पुणे) - 14
- जम्मू-कश्मीर: कटरा-11
- छत्तीसगढ़: सूरजपुर-11
- बिहार: कटिहार - 11
- पूर्वी राजस्थान: सीकर 10
- ओडिशा: पुरी - 10
- झारखंड: सिमडेगा - 9
- असम और मेघालय: कामपुर 8
- दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 8|

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	21- Jul	22- Jul	23- Jul	24- Jul	25- Jul	26- Jul	27- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	WS	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS
9	BIHAR	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
14	PUNJAB	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
18	EAST RAJASTHAN	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	FWS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

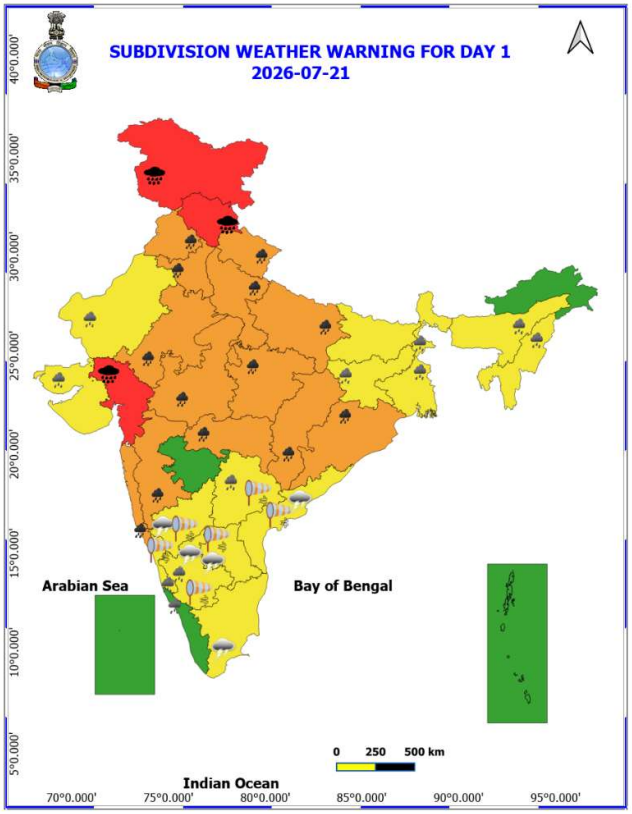
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-07-21
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

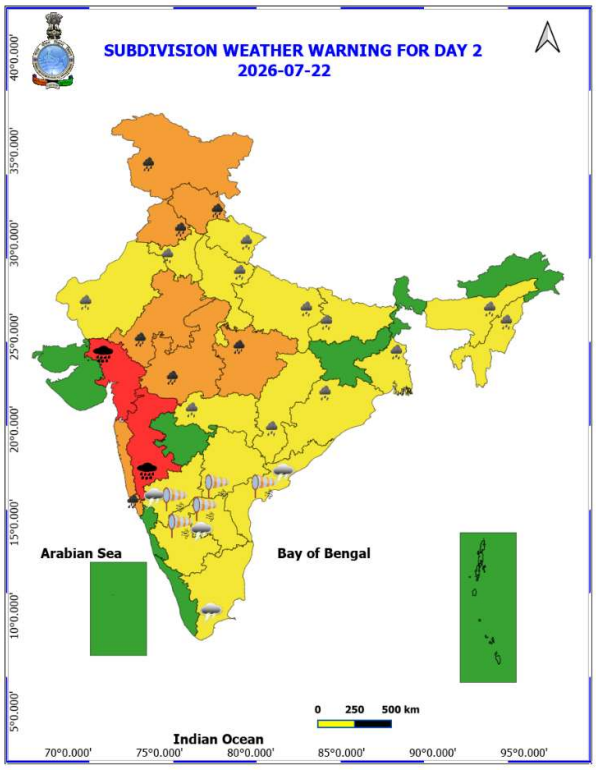
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-07-22
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

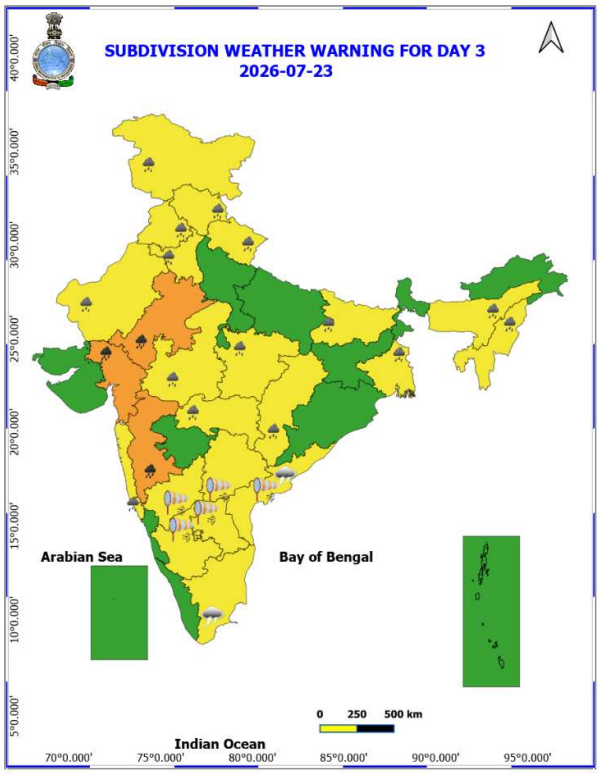
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-07-23
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

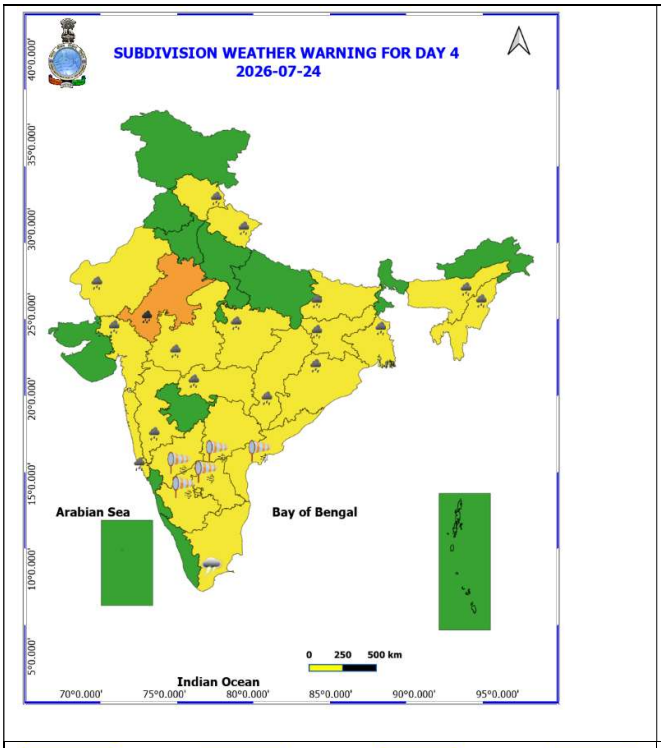

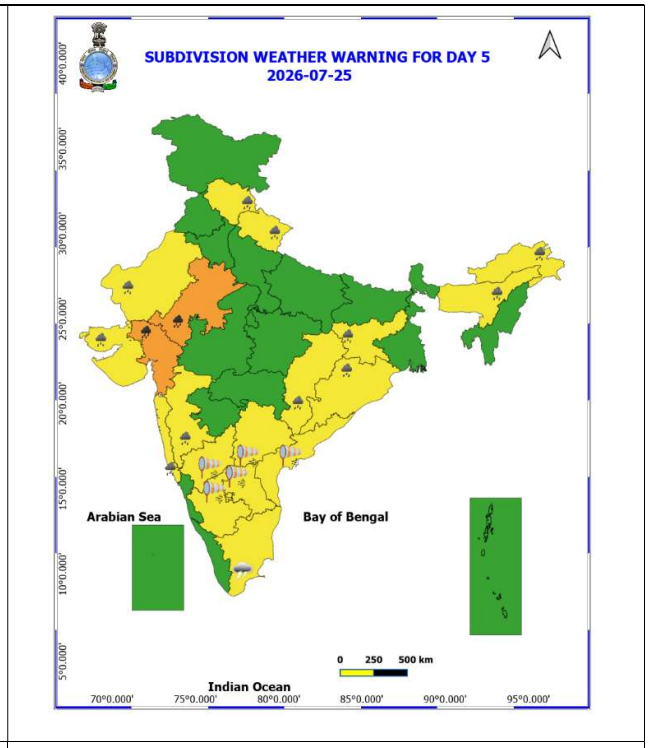

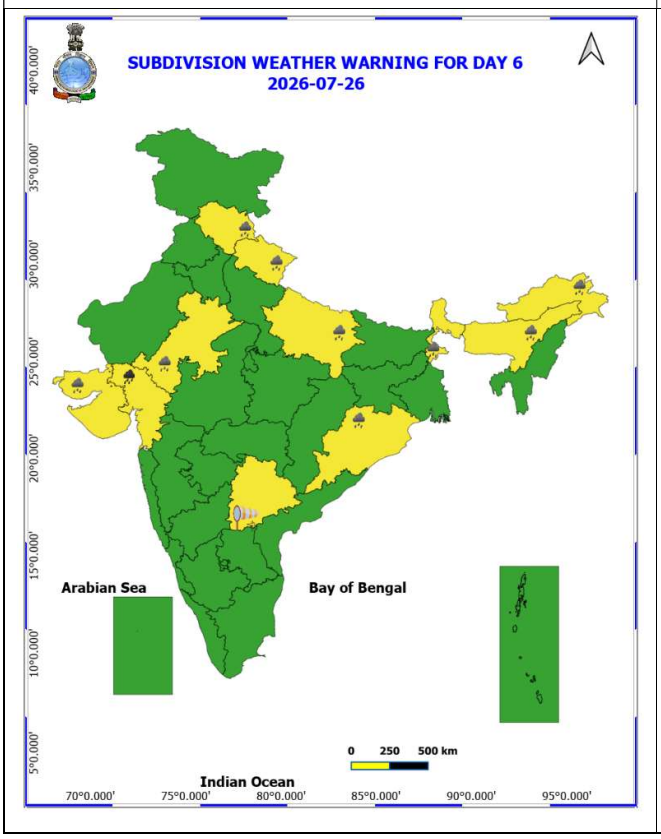

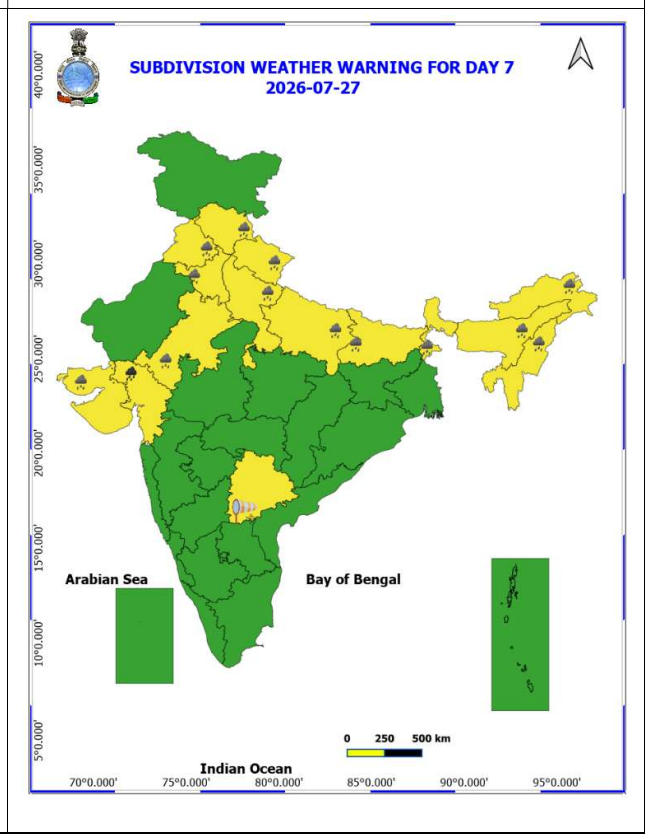

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

21 जुलाई से 24 जुलाई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछले मौसम का हाल:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 5-7°C और न्यूनतम तापमान में 1-3°C की गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 31-32°C और न्यूनतम तापमान 23-26°C के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में आसमान आम तौर पर बादल छाए रहे और दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा की रफ़्तार से ज़मीनी हवाएँ चलीं। आज सुबह के समय इस इलाके में आसमान आम तौर पर बादल छाए रहने और उत्तर-पूर्व दिशा से 16 किमी/घंटा तक की रफ़्तार से ज़मीनी हवाएँ चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

21.07.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच कई जगहों पर रुक-रुक कर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश के साथ आंधी/बिजली/20-30 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 40 किमी/घंटा तक) की हवाएं चल सकती हैं। रात के समय एक-दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 29-31°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 18 किमी/घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

22.07.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर एक-दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश के साथ आंधी/बिजली/20-30 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 40 किमी/घंटा तक) की हवाएं चल सकती हैं। शाम से रात के बीच कुछ जगहों पर एक बार फिर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ज़्यादातर जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, जबकि कुछ अलग-अलग जगहों पर यह सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

23.07.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच एक-दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। शाम से रात के बीच कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पूर्वी दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी और यह उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी और यह उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी।

24.07.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर

जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, जबकि कुछ जगहों पर यह सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) होगा; दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 10 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय ज़मीन के पास हवा की गति बढ़कर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी और यह उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी और यह दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

भारी/बहुत भारी/अत्यधिक बारिश के कारण संभावित असर और सुझाव

- 21 तारीख को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और हिमाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा बारिश होने की संभावना है; गुजरात क्षेत्र में 21 और 22 तारीख को; और मध्य महाराष्ट्र में 22 जुलाई को भारी बारिश हो सकती है।

संभावित असर

- मुख्य रूप से शहरी इलाकों में सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और अंडरपास बंद होने की स्थिति।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में यातायात बाधित हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- कच्ची सड़कों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- कमज़ोर ढांचों को नुकसान होने की संभावना है। स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ का बहाव/ज़मीन धंसने जैसी घटनाएं।
- पानी भरने के कारण कुछ इलाकों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- कुछ नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में नदी में बाढ़ आ सकती है (नदी में बाढ़ के बारे में जानकारी के लिए CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए उपाय

- अपनी मंज़िल के लिए निकलने से पहले रास्ते में ट्रैफ़िक जाम की स्थिति देख लें।
- इस संबंध में जारी ट्रैफ़िक सलाहों का पालन करें।
- अक्सर जल-जमाव (पानी भरने) की समस्या वाले इलाकों में जाने से बचें।
- कमज़ोर या असुरक्षित इमारतों में रहने से बचें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू-कश्मीर में, मौसम ठीक होने तक खरीफ की दालों (जैसे मूंग और उड़द) की बुवाई टाल दें। धान, मक्का, मूंग और उड़द की पहले से बोई गई फसलों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें।
- हिमाचल प्रदेश में, मौसम साफ रहने पर मटर की फलियों और आड़ू, खुबानी व आलूबुखारे जैसे फलों की तुड़ाई जारी रखें। धान, मक्का, रागी, टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, मिर्च और खीरे के खेतों तथा सेब और नाशपाती के बागों में पानी की निकासी के लिए सही चैनल बनाए रखें ताकि अतिरिक्त बारिश का पानी जल्दी निकल सके। पानी के बहाव और मिट्टी के कटाव को कम करने के लिए धान के खेतों में मेड़ और पानी की निकासी के चैनल बनाए रखें।

- उत्तराखंड में, तैयार टमाटर, फ्रेंच बीन और आलू की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित, सूखी जगह पर रखें। मौसम ठीक होने और खेत की स्थिति सामान्य होने तक मूंगफली, सोयाबीन, मक्का और भिंडी की बुवाई टाल दें। धान, उड़द, झंगोरा (बार्नयार्ड मिलेट), रागी, टमाटर और मिर्च के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें।
- पंजाब में, भारी बारिश के दौरान मूंग की बुवाई न करें। धान, मक्का, सोयाबीन, अरहर, मूंगफली के खेतों और फलों के बागों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें।
- हरियाणा में, कपास के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकाल दें।
- उत्तर प्रदेश में, धान, मक्का, तिल और अरहर के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। खेत की स्थिति ठीक होने तक सिंचाई, खाद और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- राजस्थान में, कपास के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें।
- छत्तीसगढ़ में, धान की नर्सरी और मक्का, सोयाबीन, अरहर व छोटे मोटे अनाजों (मिलेट्स) की खड़ी फसलों में लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का लगातार इंतज़ाम करें। खेत की स्थिति ठीक होने तक सिंचाई, खाद और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- दक्षिण गुजरात क्षेत्र में, खड़ी फसलों वाले खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकाल दें। अतिरिक्त पानी निकलने तक धान की रोपाई न करें।
- कोंकण और मध्य महाराष्ट्र के घाट इलाकों में, खड़ी फसलों में सिंचाई न करें और खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।
- झारखंड में, खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। खेत की स्थिति ठीक होने तक सिंचाई, खाद और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- बिहार में, धान, मक्का, तिल और अरहर के खेतों में लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का लगातार इंतज़ाम करें। जब तक खेत की हालत ठीक न हो जाए, तब तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- ओडिशा में, धान, मक्का, दाल, तिलहन और सब्जियों के खेतों में लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए लगातार पानी की निकासी की व्यवस्था करें और खेत की नालियों को साफ रखें। जब तक खेत की हालत ठीक न हो जाए, तब तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- पश्चिम बंगाल में, धान की नर्सरी, जूट, अदरक और सब्जियों के खेतों में लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए लगातार और असरदार तरीके से पानी की निकासी सुनिश्चित करें। धान की नर्सरी के चारों ओर बनी मेड़ों की जांच करें और उन्हें मजबूत बनाएं; साथ ही, जहां खेत की हालत ठीक हो, वहां तैयार चाय की पत्तियां और सब्जियां तोड़ लें।
- असम में, लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए खेत की निकासी नालियों को साफ रखें और गन्ना, सोयाबीन, अरहर, जूट, तिल के खेतों और फलों के बागों से अतिरिक्त बारिश का पानी लगातार निकालते रहें। जहां खेत की हालत ठीक हो, वहां तैयार फसल की कटाई कर लें।
- मेघालय में, धान की नर्सरी और मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों के आसपास बनी निकासी नालियों में कोई रुकावट न आने दें। नर्सरी की मेड़ों को मजबूत करें और पानी के बहाव, पौधों के बह जाने और लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए लगातार पानी की निकासी की व्यवस्था बनाए रखें।
- नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, लगातार और असरदार तरीके से पानी की निकासी सुनिश्चित करें और सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों में जमा बारिश का पानी हटा दें ताकि लंबे समय तक पानी जमा न रहे।
- केरल में, केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों की फसलों के लिए पानी की निकासी की उचित व्यवस्था करें।

तूफ़ान/तेज़ हवाओं के असर के लिए एग्रोमेट सलाह

- अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, केरल और तटीय आंध्र प्रदेश में खाद डालने और खेत के दूसरे कामों को टाल दें।
- तेलंगाना, रायलसीमा और तटीय आंध्र प्रदेश में तेज़ हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सब्ज़ियों और छोटे फलों के पौधों/फल देने वाले पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें।

- काटी गई फ़सल को सुरक्षित जगहों पर ले जाएँ या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से उड़ने या बिखरने के जोखिम को कम करने के लिए काटी गई फ़सल को मज़बूती से बाँधें और ढककर रखें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

आकस्मिक बाढ़ की चेतावनी

22-07-2026 को 01:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) का खतरा (FFR):

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी सब-डिविजन के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा कम से मध्यम रहने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख: लेह, करगिल, बांदीपोरा, पुंछ, मीरपुर, श्रीनगर, गांदरबल, अनंतनाग, राजौरी, कुपवाड़ा, रामबन, बडगाम, कुलगाम, शोपियां, पुलवामा, किश्तवाड़, डोडा, उधमपुर, कठुआ, सांबा, रियासी और जम्मू जिले।

हिमाचल प्रदेश: चंबा, कांगड़ा, मंडी, कुल्लू, सिरमौर, शिमला, सोलन और किन्नौर जिले।

उत्तराखंड: देहरादून, उत्तरकाशी, टिहरी गढ़वाल, चमोली, अल्मोड़ा, नैनीताल, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चंपावत और रुद्रप्रयाग जिले।

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, मैप में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जलभराव (inundation) की स्थिति बन सकती है।

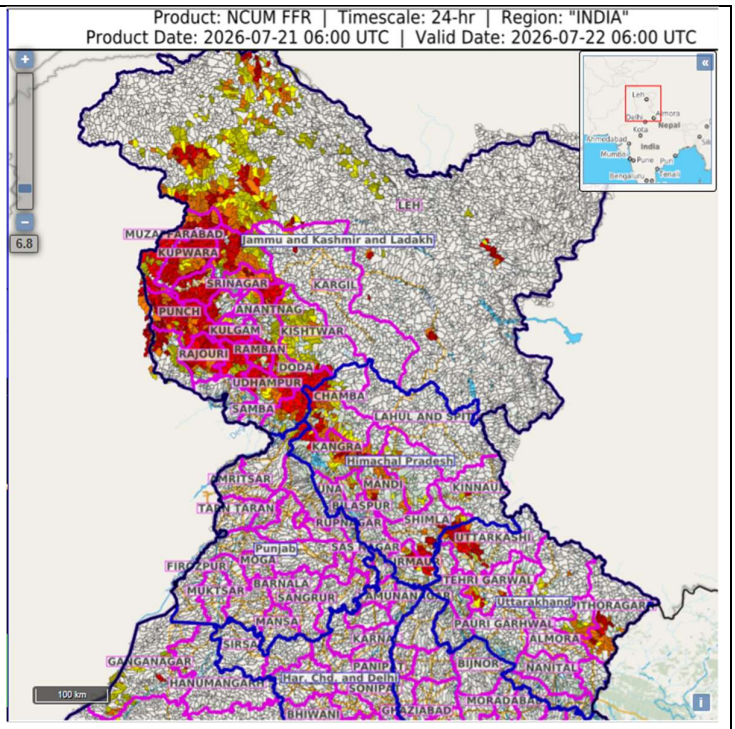

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

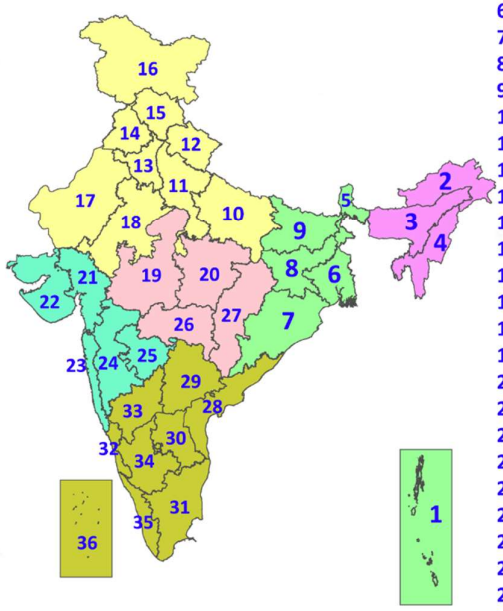

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	**Heavy:** 64.5 to 115.5 mm/cm * **Very Heavy:** 115.6 to 204.4 mm/cm* **Extremely Heavy:** > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	**When maximum temperature of a station reaches ≥40° C for plains and ≥30° C for hilly regions** **(a) Based on Departure from normal** **Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal 4.5° C to 6.4° C. **Severe Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal ≥6.5° C **(b). Based on Actual maximum temperature** **Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥45°C. **Severe Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥47°C **(c). Criteria for heat wave for coastal stations** When maximum temperature departure is >4.5°C from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature ≥37°C
Warm Night	**When maximum temperature remains 40°C** **Warm Night:** When minimum temperature departure 4.5 °C to 6.4 °C. **Severe Warm Night:** When minimum temperature departure >6.4 °C.
Cold Wave	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions.** **(a). Based on departure** **Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C **(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)** **Cold Wave :** When Minimum Temperature is ≤ 4.0 °C **Severe Cold Wave:** When Minimum Temperature is ≤ 2.0 °C **(c) For Coastal Stations** When Minimum Temperature departure is ≤-4.5 °C & actual Minimum Temperature is ≤ 15 °C
Cold Day	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions** **Based on departure** **Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C
Fog	**Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility < 1km** **Moderate Fog:** When the visibility between 500-200 metres **Dense Fog:** when the visibility between 50- 200 metres **Very Dense Fog:** when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	**Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)**
Dust/Sand Storm	**An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.**
Frost	**Ice deposits on ground** Air temperature ≤4°C (over Plains)
Squall	**A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.** **Moderate**: Wind speed 52-61 kmph **Severe**: Wind speed 62-87 kmph **Very Severe**: Wind speed >87 kmph
Sea State	**Effect of various waves in the sea over specific area** **Rough to very rough**: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre **High to very high**: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre **Phenomenal**: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre
Cyclone	**Cyclonic Storm**: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) **Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) **Very Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) **Extremely Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) **Super Cyclone Strom**: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

*** Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".**
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)